The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14] No. 141

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल ७, २००१/चैत्र १७, १९२३ NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 2001/CHAITRA 17, 1923

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह संस्करण के पृथक रूप में रखा जा सके Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II-Section 3-Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 2001

का. आ. 701.—केन्द्रीय सरकार, नोटरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) की धारा 6 के उपबन्धों के अनुसरण में, इसके द्वारा नियुक्त नोटरियों की जो 2001 के प्रारम्भ से व्यवसाय में हैं, सूची प्रकाशित करती है।

Sh.	न सं. नोटरी का नाम	निवास और वृत्तिक पता	अर्हताएं	वह क्षेत्र, जहां व्यवसाय करने के	पंजीकरण संख्य
1	2	3		लिए प्राधिकृत हैं	
1	सर्वश्री रुस्तम अंदेसिर		4	5	6
e e	गगरेट	मार्फत मै. गगरेट एण्ड कं., सालिसिटर्स एंड नोटरीज, अली चैम्बर, मीडोज स्ट्रोट, मुम्बई-1	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	3
2	रवीन्द्र कृष्ण देव	टेंपल चैम्बर्स, 6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	10
3	हिमांशु प्रकाश गांगुली	4, ईश्वर दत्त लेन, हावड़ा प. बंगाल	अधिवक्ता	t	
4	सुधीर कुमार दे मलिक	5 एण्ड 7, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता,		सम्पूर्ण भारत	13
ε		122, मिशन रोड, कलकत्ता	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	15
5	रास मोहन चटर्जी	मार्फत मै. दिगनाम एण्ड कंपनी, सालिसिटर्स, 29, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	अधिवक्ता	प. बंगाल, असम, बिहार,	17
6	प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका	6 ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अधिवक्ता	उत्तर प्रदेश एवं पंजाब संपूर्ण भारत	18

(1411)

Atested

20/11/12

the services of a workman for his continuous absence to duty without giving an opportunity or holding an enquiry such removal or amounts to termination of service attracting the Secdismissal would tion 2(00) R|W Section 25-F of I.D. Act and violates the principles of natural justice. In the present case the dismissal order was not passed solely by invoking the company's standing orders for misconduct. The misconduct attributed to the workman was proved by holding the domestic enquiry by sending intimation which the workman had failed to So the punishment imposed will not amounts to termination under Section 2(00) of the I.D. Act. No doubt by means of Section 11-A, the Industrial Tribunal or Labour Court may reduce the punishment imposed by the management and it must be judiciously and in order to reduce the punishment, the claim must be satisfactory. this case there cannot be any valid and satisfactory reasons while protecting the interests of the man. It is also necessary to see for the advance in the progress of the industry keeping in view of harmony and industrial peace in between the parties. The workman herein was at first appointed in 1986 as temporary employee and in 1989 he became a permanent employee. During his short tenure of service, he became indisciplined and not regular in attending to his duty. It is a bad example for other workers and this sort of indiscipline is nothing but misconduct, so it is not desirable to take a lenient view and any interference with the punishment would be an interference with the managements rights and it will have detrimental effect to the progress of the industry and as such it is not a fit case to exercise judicious discretion in reducing the punishment.

17. In the result, an award is passed dismissing the claim of petitioner workman by confirming the impugned order Ex. M6 dt. 10-12-1990 passed by the respondent.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me given under my hand and the seal of this Tribunal on this the 2nd day of February, 2001.

SYED ABDULLAH, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence:

No oral evidence is adduced by both parties.

Documents marked for the Respondent:

Ex. M1-Charge Sheet dt. 6-6-89.

Ex. M2—Returned postal covers with endorsement.

Ex. M3—Paper publication in Andhra Jyothi

Ex. M4-Enquiry Proceedings.

Ex. M5-Enquiry Report.

Ex. M6-Dismissal order dt. 10-12-90.

Documents marked for the Petitioner.-Nil.

नई दिल्ली, 22 मार्च, 2001

ना आ. 746—कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) की जारा अकी उपधारा (3) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों की प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 20 मधवा इससे अधिका को जन प्रतिष्ठानी की कियोजित करने वाले निम्मलिखित प्रतिष्ठानी को जन प्रतिष्ठानी की श्रेणी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिन पर 1 अप्रैल; 2001 से उक्त अधिनियम लागू होगा अर्थात :—

- (i) कुरिश्वर सेवाएं प्रदान करने वाला कहें भी प्रति
- (ii) केन्द्रीय सरकार प्रथवा राज्य सरकार के स्वामित्वा-धीन प्रथवा उनके द्वारा नियंत्रित वार्युयान ग्रथवा एयर लाइन्स के ग्रलावा वायुयान ग्रथवा एयर लाइन्स का कोई भी प्रतिष्ठान
- (iii) स्वच्छता और सफाई संबंधी सेवाई प्रवाह करने में लगा कोई प्रतिष्ठान ।

[फा.सं.एस.-35016/1/97-एस.एस-II]

जे. पी. शुक्ला, पूर्ण सचिव

New Delhi, the 22nd March, 2001

S.O. 746.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (3) of section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, (19 of 1952). the Central Government hereby specifies the following establishments employing 20 or more persons as the class of establishments to which the said Act shall apply with effect from 1st April, 2001, namely:

- (i) an establishment engaged in rendering Courier services:
- (ii) an establishment of aircraft or airlines other than the aircraft or airlines owned or controlled by the Central or State Government.
- (iii) an establishment engaged in rendering cleaning and sweeping services.

[F. No. S-35016|1|97-SS.II] J. P. SHUKLA, Dy. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Fublications, Delhi-110054, 2001

अर्थे क्रिक्रीकी विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र प्रकारते विश्वास्त्र विश्वास्त्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विष्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विष्य विष्य विष्य विश्वास्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष